This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1024**

Unique Paper Code : **2302104801**

Name of the Paper : **Themes in Sociological Theory (DSC)**

Name of the Course : **B.A. (H) Sociology**

Semester : **VIII**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *four* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. What is the difference between theory and theorizing ? Explain the process of theorizing in sociology and its importance.

   सिद्धांत और सिद्धांत निर्माण में क्या अंतर है ? समाजशास्त्र में सिद्धांत निर्माण की प्रक्रिया और इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. Critically evaluate the need for post-colonial discourses in sociology.

समाजशास्त्र में उत्तर–औपनिवेशिक विमर्शों की आवश्यकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. What is meant by interpretative method in ethnographic practice ? Illustrate with suitable examples.

नृवंशविज्ञान अभ्यास में व्याख्यात्मक विधि से क्या तात्पर्य है ? उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए।

4. Do you agree that social sciences have largely been a Western Project ? Discuss with reference to theories of decolonization.

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सामाजिक विज्ञान काफी हद तक एक पश्चिमी परियोजना रही है ? विऔपनिवेशीकरण के सिद्धांतों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

5. Briefly explain Alfred Schutz's contribution to phenomenological perspective in sociology.

समाजशास्त्र में घटनात्मक परिप्रेक्ष्य के क्षेत्र में अल्फ्रेड शुट्ज के योगदान को संक्षेप में समझाइए।

6. Using suitable examples, explain the role of Margaret Somers's concept of narrative in the constitution of identity.

उपर्युक्त उदाहरणों का प्रयोग करते हुए, पहचान के निर्माण में मार्गरेट सोमर्स की कथा की अवधारणा की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

7. How is 'self' understood in relation to gender performativity ?

लैंगिक प्रदर्शनशीलता के संदर्भ में 'स्वयं' को कैसे समझा जाता है ?